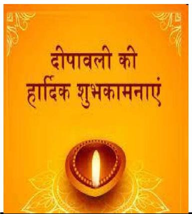

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 98 गुरूवार 31 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

अयोध्या मे बना दीपोत्सव का विश्व कीर्तिमान, रोशनी से नहा गये सरयू के घाट

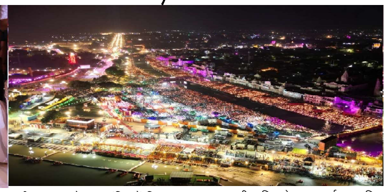

संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी के हाथों दीपोत्सव का शुभारंभ हुआ। इसी के साथ राम की पौड़ी पर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बन गया है। अयोध्या में जलाए तो 28 लाख दीये गए हैं लेकिन एक साथ 25 लाख दीये आधे घंटे में जलाकर रिकॉर्ड बनाया गया है। सरयू के दोनों ओर जुटे हजारों लोगों ने इस अनोखे पल को अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर भी उल्लास ला दिया है। इससे पहले सीएम योगी ने राम मंदिर जाकर दीपक जलाया और दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद सरयू के सभी 55 घाटों पर दीये जगमगा उठे। इस बार का मुख्य आकर्षण लेजर शो, ड्रोन शो, आतिशबाजी है। धर्म पथ पर थीमेटिक गेट्स से चलचित्र रामायण लोगों को लुभा रहे हैं।

अवधपुरी अति रुचिर बनाई, देवन्ह सुमन बृष्टि झरि लाई। 14 वर्ष बाद वनवास से श्रीराम के लौटने पर त्रेतायुग की खुशी का दृश्यानक आठवें दीपोत्सव में दिखा। इस बार श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने की खुशी में दीपोत्सव खास है। साकेत महाविद्यालय से लेकर रामकथा पार्क तक पूरी सड़क यानी रामपथ को पानी से धोकर सुबह ही चमकाया गया था।

शाम होते ही इलेक्ट्रिकल लाइटों की सतरंगी रोशनी की चकाचौंध बरबस सभी को आकर्षित करने लगी। पूरे नगर में लाउडस्पीकर के माध्यम से भक्ति संगीत गुंजायमान रहा। राम की पैड़ी सहित चौधरी चरण सिंह घाट और भजन संध्या स्थल सहित कई जगहों पर 30 हजार वालियंटर 28 लाख दीप बिछाने का कार्य एक दिन पहले ही पूरा कर चुके थे। 25 लाख दीये को आधे घण्टे के अंदर जलाकर नया रिकॉर्ड बना दिया गया।

दीपोत्सव से पहले भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के साथ पुष्पक विमान (हेलीकाफ्टर) से पहुंचे। योगी ने उनका स्वागत किया। पूरा राम दरबार रथ पर सवार हुआ तो योगी ने अपने हाथों से रथ को खींचा और रामकथा पार्क लाया गया। यहां योगी ने राम की आरती उतारी और राज तिलक किया।

राम मंदिर निर्माण के बाद हो रही पहली दीपावली पर पूरे अयोध्या में खास रौनक है।

अधिकारियों ने दिया दीपोसव की शुभकामना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह, आईजी आर. के. भारद्वाज, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने सभी नागरिको को दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भईयादूज की बधाई देते हुए उनके सुख एवं समृद्धि की कामना किया है।

अयोध्या में जीवन्त हुआ त्रेता युग, उमड़ी आस्था

संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या में इस वर्ष का दीपोत्सव एक ऐतिहासिक पर्व बन गया । त्रेता युग मानो पुनः जीवन्त हो गया हो। प्रभु श्रीरामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद इस पर्व ने संतों और श्रद्धालुओं में एक विशेष उत्साह उत्पन्न किया है। अयोध्या के संत समाज ने इस दीपोत्सव पर विशेष हर्षोल्लास व्यक्त करते हुए इसे एक अद्वितीय आयोजन बताया है, जो 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद संभव हुआ है।

सरदार बल्लभ भाई पटेल के सपनों को पूरा कर रही है रालोद-रामाशीष राय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल को उनके 149 वीं जयन्ती पर याद किया गया। बुधवार को राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, प्रदेश सचिव महिपाल पटेल, जिला महासचिव अभय पटेल के संयोजन में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने पटेल जी के योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रालोद के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने अमहट घाट के निकट पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद हर्रैया डाक बंगले के परिसर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पटेल जी के योगदान पर प्रकाश डाला।

कहा कि किसान परिवार में जन्मे पटेल जी चाहते तो सुखी जीवन जी सकते थे किन्तु उन्होने देश को आजाद कराने और आजादी के बाद देश के सीमा विस्तार में जो योगदान दिया उसने पटेल जी को भारत रत्न बना दिया। कहा कि नयी पीढी को ऐसे महापुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिये । कहा कि सरदार पटेल के सपनों को पूरा करने के लिये रालोद यूपी समेत समूचे देश में निरन्तर कार्य कर रही है।

विशिष्ट अतिथि दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल, पूर्वान्चल विकास बोर्ड सदस्य बौद्ध अरविन्द सिंह पटेल ने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देश को आजाद कराने, कई बिखरी रियासतों को भारत से जोड़ने और गृह मंत्री के रूप में जो भूमिका निभायी देश उन्हें सदैव याद करेगा।

क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजा ऐश्वर्यराज राज सिंह, प्रदेश महासचिव, अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढने की जरूरत है। उनके योगदान का ही परिणाम है कि अनेक रियासतों में विभाजित भारत का अखण्ड स्वरूप हमारे सामने हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सर्वेश वर्मा ने किया।

जयन्ती पर पटेल जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश चन्द्र गिरी, ओम प्रकाश चौधरी, राधेश्याम चौधरी, उदयभान चौधरी, शिवकुमार गौतम, रजनीकान्त मिश्र, गीता वर्मा, अरूण चौधरी, इरफान अहमद, अशोक सिंह, नागेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र चौधरी, अजीत चौधरी, जय प्रताप, सुभाष कन्नौजिया, शिवकुमार, कपिलदेव, कमलेश, विनोद, साहिल सिंह, लालजी, कन्हैयालाल, सोनू गौड़, राजू गौड़ के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

श्री हनुमत जन्मोत्सव में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री हनुमान मंदिर गांधीनगर में श्री हनुमत जन्मोत्सव समारोह उल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार को भण्डारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

आयोजक पं. रामकिंकर शुक्ल 'गोपाल बाबा' ने बताया कि अखण्ड श्रीराम चरित मानस पाठ, श्री दुर्गा सप्तशती पाठ, श्रीमद्भागवत, गीता पाठ, श्री बाल्मीकीय रामायण अर्न्तगत श्री सुन्दरकाण्ड पाठ एवं जाप का अनुष्ठान हुआ। 30 अक्टूबर को दिव्य हवन, जन्मोत्सव आरती के साथ अनुष्ठान सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम संयोजन में विष्णु भगवान शुक्ल उर्फ नरेन्द्र शुक्ल, मारूत नन्दन शुक्ल, स्वधा, ई. समीर, सुअन प्रसाद शुक्ल, क्षमा शुक्ला, प्रभंजन, सुअन प्रसाद शुक्ल के साथ ही अनेक भक्तों ने योगदान दिया।

जातिगत जनगणना, बैलेट पेपर से चुनाव की मांग को लेकर निकाली पद यात्रा, सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर कटेश्वरपार्क स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा से गांधीनगर, कम्पनीबाग होते हुये मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुये जिलाधिकारी कार्यालय तक पद यात्रा निकाला। इसके बाद भारत बंद कार्यक्रम की कड़ी में राष्ट्रपति को सम्बोधित 2 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारीके प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में मांग किया है कि जातिगत जनगणना कराने के साथ ही चुनाव प्रक्रिया में व्यापक सुधार कर ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाय। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा ।

मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि जातिगत जनगणना कराने को लेकर केन्द्र सरकार गंभीर नही है। यह आवश्यक है। दुनियां के विकसित देशों में भी ईवीएम से चुनाव नहीं होते तो आखिर भारत में क्यों। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के ठाकुर प्रेमनन्दवंशी ने कहा कि 'ईवीएम हटाओ, बैलेट पेपर लाओ और लोकतंत्र बचाओ अभियान के अंतर्गत देश के जिलों के मुख्यालयों पर भारत मुक्ति मोर्चा के द्वारा भारत का लोकतंत्र बचाने के लिए ईवीएम के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन चलाया जा रहा है। जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती आन्दोलन जारी रहेगा। कहा कि ईवीएम मशीन के उपर से जनता का विश्वास खत्म होता जा रहा है। मशीन में वोटर्स के वोटों का सत्यापन करने का प्राविधान ना होने की वजह से, पारदर्शिता ना होने के कारण नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने के साथ साथ लोकतंत्र पर भी खतरा मड़रा रहा है।

भारत मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संयुक्त आवाहन पर पद यात्रा और ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, चन्द्रिका प्रसाद, बुद्धेश राना, सुग्रीव चौधरी, हृदय गौतम, आर.के. गौतम, लालमणि शर्मा, मो. जावेद, डा. रिफाकत अली, रामलैश, विनय, राजेश, सरिता भारती, रीना, रेशमा, किसमता, भन्ते प्रज्ञानन्द, मो. अजीम, प्रदीप चौधरी, भूपेन्द्र चौधरी आदि शामिल रहे।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने दीपावली पर उपहार देकर साझा किया खुशियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने नगर पंचायत गनेशपुर के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय के साथ विभागीय कर्मचारियों, सफाई कर्मियों और स्थानीय नागरिकों में दीपावली का उपहार देकर खुशियों को साझा किया। दयाराम चौधरी ने उपस्थित लोगों से कहा कि मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम जब रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे तो उनका दीप जलाकर स्वागत किया गया था। यह पर्व हमें असत्य पर सत्य के जीत का संदेश देता है। खुशियां बांटने से बढती है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सभासद दुर्गेश सोनकर, अंकित, मो. फारूक, मोल्हू प्रसाद, गणेश, विशाल सिंह, शिवनरायन चौधरी, कुलदीप यादव, इन्द्रजीत यादव के साथ ही दुर्गा प्रसाद चौधरी, भूपेन्द्र चौबे, रिंकू यादव, सोनू सिंह, विकास चौधरी और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

दीप पर्व पर भाजपा नेता अरविन्द पाल ने रसोईयों में किया उपहार का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविन्द पाल ने बीआरसी बनकटी पर परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों में अंग वस्त्र और उपहार का वितरण किया। कहा कि दीपावली असत्य पर सत्य के जीत का पर्व है। जिस प्रकार से मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम ने समाज के सभी वर्गों को आदर दिया उसी तरह समाज के समृद्ध लोगों का दायित्व है कि वे खुशियों को जरूरतमंदों के साथ साझा करें।

खण्ड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार यादव ने कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविन्द पाल की पहल सराहनीय है। समाज के सम्पन्न लोग मिलकर पर्व त्यौहारों को और अधिक समृद्ध कर देते हैं।

प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी है कि हर घर तक खुशियां पहुंचे। रसोइयों में अंग वस्त्र और उपहार का वितरण कर अरविन्द पाल ने एक सृजनात्मक पहल किया है।

अंगवस्त्र और उपहार वितरण में मुख्य रूप से चंद्रशेखर शर्मा, रामरेखा चौधरी, रामचन्द्र शुक्ल, मोहम्मद इकबाल, आदित्यनाथ तिवारी, दीपक चौरसिया, नीलम, बिंद्रावती, संजूलता, राघवेन्द्र उपाध्याय शारदा प्रसाद चतुर्वेदी, राजेश सिंह, पवन कुमार चौधरी, शैलेंद्र कुमार पाल, विनोद यादव, नवीन कुमार चौधरी, मोहम्मद कामरान, जसवंत कुमार, विशाल पाल, अतुल पाल के साथ ही अनेक शिक्षक, शिक्षा मित्र, रसोईया उषा देवी, मीरा देवी, रंजना देवी, प्रमिला देवी, सुमन पाल गीता देवी, इंद्रावती, रंभा पाल, सुमन, किरन, संतरा आदि शामिल रहे। रसोईयों को जब दीपावली का उपहार मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी।

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती पर निकली भव्य संदेश यात्रा, संगोष्ठी में विमर्श, सम्मानित हुईं विभूतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल को उनकी 149 वीं जयन्ती पर याद किया गया। बुधवार को भारतीय कुर्मी महासभा, सरदार सेना और भारतीय किसान यूनियन के संयोजन में बड़े बन से विशाल संदेश यात्रा निकाली गई। यात्रा रोडवेज, गांधीनगर, फौव्वारा चौराहा होते हुये संगोष्ठी स्थल कुंआनो तट के निकट स्थित पटेल जी की प्रतिमा के समक्ष पहुंची। यहां माल्यार्पण के बाद आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में भारतीय कुर्मी महासभा पटेल जयन्ती परिचायिका का अतिथियों ने लोकार्पण किया।

सरदार पटेल स्मारक संस्थान कुर्मी बोर्डिग के अध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि देश को आजाद कराने से लेकर गृह मंत्री के रूप में देश के निर्माण में उनके योगदान से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिये, वे महान नेता थे। किसान के बेटे के रूप में उन्होने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद अपनी सुविधा की जगह देश के हितों की चिन्ता किया। ऐसे महापुरूष विरले होते हैं जो संकट में बहादुरी का परिचय देते हुये विजेता बनकर उभरे। उन्होने 562 रियासतों को एकता के सूत्र में बांध कर भारत के स्वरूप को सशक्त बनाया।

–भारतीय कुर्मी महासभा पटेल जयन्ती परिचायिका का लोकार्पण

गोष्ठी को ई. राजेन्द्र पटेल, वृजेश चौधरी, दीवान चन्द पटेल, मस्तराम वर्मा, आर.के. सिंह पटेल आदि ने पटेल जी से जुड़े अनेक प्रसंगों पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि पटेल का योगदान सदैव याद किया जायेगा। अध्यक्षता करते हुये डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल ऐसे लौह पुरूष है जिन्होने अनगिनत रियासतों को भारत से जोड़कर देश के भूगोल को समृद्ध किया। आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये डा. वर्मा ने कहा कि पटेल जी का समग्र जीवन देश को समर्पित रहा, नई पीढी को उनके योगदान से प्रेरणा लेते हुये आगे बढना होगा। कार्यक्रम में डा. राजेश पटेल, डा. सीएम.पटेल, डा. दीनानाथ पटेल, शिवशंकर शाका, ई. राजेन्द्र चौधरी, विजय कुमार चौधरी, अद्या शरण चौधरी, रविन्द्र पटेल, फूलचन्द सिंह, अनूप कुमार चौधरी, पंचराम चौधरी, जयराम वर्मा, बाबूराम वर्मा, शैलेन्द्र कुमार चौधरी, सुमित्रा सिंह, भूपेन्द्र चौधरी, प्रभाकर पटेल, विनय चौधरी, सुनील चौधरी, आदि को अंग वस्त्र और सरदार पटेल का चित्र भेटकर उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में के. सी. चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, विद्यासागर चौधरी, रघुनाथ पटेल, अरविन्द कुमार चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, राम प्रसाद चौधरी, बद्री प्रसाद चौधरी, मायाराम चौधरी, घनश्याम चौधरी, विद्यासागर चौधरी, मंशाराम चौधरी, डा. श्यामनरायन चौधरी, प्रमोद कुमार चौधरी, आर.डी. चौधरी, सुभाष चौधरी, गौरीशंकर, सन्तोष कुमार चौधरी, दूधनाथ पटेल, मनीष प्रजापति, राम पूरन, सुभाष, चन्द्रशेखर, दिनेश, रीतेश, शिव प्रसाद, अमित, सत्य प्रकाश के साथ ही हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 31 अक्टूबर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर देश

अक्सर कहा जाता रहा है कि भारतीय सेना के युद्धक व मालवाहक विमान पुराने पड़ चुके हैं। निस्संदेह, वायुसेना व सेना को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ती थी। लेकिन यह सुखद है कि देश में पहली बार एक स्वदेशी निजी कंपनी आत्मनिर्भर भारत अभियान को संबल देकर देश में सेना के लिये युद्धक घविमानों का निर्माण करेगी। जब वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेद्रो सांचेज ने टाटा एअरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स में इस महत्वाकांक्षी परियोजना की बुनियाद रखी, तो निश्चय ही भारत एक नये युग में प्रवेश कर रहा था। पहली बार कोई निजी कंपनी विमान निर्माण के क्षेत्र में कदम रख रही थी। वह भी देश का भरोसेमंद और एअर इंडिया का उद्धार करने वाला टाटा समूह का उपक्रम। निश्चित ही हम 'मेक इन इंडिया' के संकल्प को हकीकत बनता देख रहे हैं। साथ ही हम उस दाग को धोने की तरफ भी आगे बढ़े हैं कि जिसके बाबत कहा जाता है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददार देशों में शुमार है। उल्लेखनीय है कि टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड और स्पेन की एअरबस के संयुक्त उपक्रम में 40 सी—295 विमानों का निर्माण होगा। यह भी कि स्पेन व भारत के मध्य कुल 56 विमानों को लेकर समझौता हुआ था, जिसमें 16 तैयार विमान स्पेन से भारत को मिलने हैं। दरअसल, सी—295 विमान सैनिकों, साजो—सामान तथा हथियारों को लाने—ले जाने में खासा मददगार होता है। साथ ही यह छोटी हवाई पट्टी व दुर्गम इलाकों से भी उड़ान भर सकता है। यह अच्छी बात है कि बीते कुछ वर्षों में भारत सरकार ने उन्नत एवं तकनीकी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने को अपनी प्राथमिकता बनाया है। जिसमें रक्षा उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, ग्रीन हाइड्रोजन तथा सेमीकंडक्टर का उत्पादन शामिल है। अपने इस अभियान में सरकार ने न केवल विदेशी निवेश को आमंत्रित किया बल्कि देश के निजी क्षेत्र को भरपूर संसाधन व पर्याप्त मौके उपलब्ध कराए हैं। तय मानिये कि आने वाले वाले वर्षों में इसके सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

निश्चित रूप से केंद्र सरकार की ऐसी कोशिशों से जहां हम रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होंगे, वहीं इससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ऐसा करके हम न केवल अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ा सकते हैं बल्कि इन उत्पादों के निर्यात की दौड़ में भी शामिल हो सकते हैं। यकीनी तौर पर देश की अर्थव्यवस्था को भी इससे बड़ा संबल मिलेगा। बहरहाल, यह तय है कि भारतीय सेना में सी—295 विमानों के शामिल होने से हम पुराने रूसी विमानों के जोखिम से भी बच सकेंगे। साथ ही सामरिक क्षेत्र में यह देश की बढ़त भी होगी। वहीं देश में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि देश में सी—295 की निर्माण परियोजना से तीन हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार परोक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके अलावा बड़ोदरा व उसके आसपास के इलाके की आर्थिकी को नई गति भी मिलेगी। वहीं इन विमानों में उपयोग होने वाले स्वदेशी कल—पुर्जों से भी विभिन्न आय के साधन विकसित होंगे। विगत के अनुभव रहे हैं कि भारत के मुश्किल वक्त में हथियारों की आपूर्ति में विदेशी सरकारों ने मदद करने में आनाकानी की थी। लेकिन बहुत संभव है कि सी—295 परियोजना की सफलता के बाद भारत रक्षा उत्पादों के निर्यात में भागीदारी कर सकेगा। संभावना यह भी कि कालांतर देश में ऐसी विशिष्ट उत्पादों के निर्माण की संस्कृति विकसित हो, जो न केवल देश को हथियार उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाये, बल्कि भारत की तीनों सेनाओं का मनोबल भी ऊंचा करे। अंततरू देश के समक्ष उत्पन्न किसी भी रक्षा चुनौती का सेनाएं भी तत्परता से मुकाबला कर सकेंगी। वैसे भी किसी देश की सेना की क्षमता का मूल्यांकन उसकी वायुसेना की ताकत व आधुनिक युद्धक विमानों की उपलब्धता से ही होता है। समय के साथ कदमताल करते हुए आज किसी सेना की ताकत का मूल्यांकन आधुनिक तकनीक व साजो—सामान की उपलब्धता पर ही निर्भर करता है। भारत इस दिशा में लगातार बढ़ रहा है। निस्संदेह, यह हमारी संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाएगा।

दलबदल की राजनीति मजबूरी या नये प्रयोग

—विश्वनाथ सचदेव—

महाराष्ट्र में चुनाव—प्रचार अब जोरों पर है। अपनी—अपनी जीत का दावा तो सब कर रहे हैं, पर मतदाता जितायेगा किसे, यह अभी भविष्य के गर्भ में ही है। चुनाव परिणाम को लेकर दावे और प्रतिदावे तो अब भी हो रहे हैं, पर 'चुनावों के पंडित' कहलाने वाले चुनाव परिणाम के बारे में इस बार कुछ ठोस कहने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं। कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस, ये चार दल मुख्यतः हुआ करते थे पहले मैदान में, इस बार इन दलों की संख्या छह है— शिवसेना और राष्ट्रवादी दोनों इस बार बंटे हुए हैं। अब मैदान में दो शिवसेना हैं और दो राष्ट्रवादी। यह स्थिति बड़ा कारण है चुनाव परिणाम को लेकर फैल रहे असमंजस का। सवाल सिर्फ पार्टियों के बंटने का नहीं है, व्यक्तियों का बंटना ज्यादा घाल—मेल करने वाला है।

यूं तो हर दल यह दावा करता है कि उसके पास अपनी नीतियां हैं, अपनी विचारधारा है, 'जनता की सेवा' करने का अपना तरीका है, पर देश में चुनाव—दर—चुनाव यह बात लगातार स्पष्ट होती रही है कि हमारे राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता के लिए राजनीति करना ही रह गया है। नीतियों और सिद्धांतों की बात तो सब करते हैं पर निगाह सबकी 'कुर्सी' पर ही टिकी रहती है। सत्ता पाने के लिए हमारे राजनेता कुछ भी करने—कहने के लिए तैयार दिखते हैं।

वैसे सिद्धांतों की राजनीति का नकार कोई नयी बात नहीं है। दशकों पहले हरियाणा में 'आया राम, गया राम' की राजनीति शुरू हुई थी। एक तरह की राजनीतिक अराजकता—सी फैलती गयी उसके बाद। ऐसा नहीं है कि इस दल बदलू राजनीति के खतरों से देश अनभिज्ञ था। कोशिशें भी हुईं इस स्थिति से उबरने की। राजनीति में नैतिकता के स्थान को लेकर विमर्श भी होते रहे, कानून भी बने, पर सत्ता की दौड़ में राजनीतिक शुचिता के लिए स्थान लगातार कम होता गया। युद्ध और प्यार में सब कुछ जायज है की तर्ज पर राजनीति में भी सब कुछ जायज मान लिया गया है। इसी का परिणाम है कि आज की राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा। चुनावों के दौरान, और चुनावों के लिए मची आपाधापी में हम इस पतन के उदाहरण लगातार देख रहे हैं। यह अपने आप में कम पीड़ा की बात नहीं है, पर मतदाता की असहायता देख कर पीड़ा और बढ़ जाती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के मतदाता ने समय—समय पर अपनी जागरूकता और ताकत का परिचय और परिणाम भी दिया है। आपातकाल घोषित करने वाली सरकार को देश के मतदाता ने जिस तरह से नकारा था, वह उसकी ताकत का प्रमाण है, उसकी जागरूकता का स्पष्ट उदाहरण है। राज्यों के चुनाव में भी ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं। लेकिन, भ्रष्ट, दलबदलू सिद्धांतहीन राजनीति को नकारने का जो परिणाम होना चाहिए, वह अक्सर नहीं दिखाई देता। यह पीड़ा की बात है, और चिंता की भी। यह चिंता राजनेता नहीं करेंगे। उनका स्वार्थ इस स्थिति के बने रहने में है। स्थिति को बदलने की आवश्यकता तो मतदाता को है। वह इस आवश्यकता को समझते हुए भी अक्सर न समझने की मुद्रा अपना लेता है।

टिकटों के बंटवारे को लेकर आज महाराष्ट्र में जिस तरह की स्थिति दिखी है, वह अपने आप में कोई नयी स्थिति नहीं है। बहुत देखा है इस स्थिति को मतदाता ने। देखा ही नहीं, सहा है, कहा जाना चाहिए। पर क्यों सहे मतदाता इस स्थिति को?

बड़ी बेशर्मी के साथ हमारे राजनेता अपना पाला बदल लेते हैं। शरद पवार ने टिकट नहीं दिया तो अजित पवार के पाले में चले जाएंगेय उद्धव ठाकरे की पार्टी से चुनाव लड़ने का टिकट नहीं मिला तो शिंदे की पार्टी दे देगीय भाजपा के नेतृत्व ने किसी की उम्मीदवारी का दावा स्वीकार नहीं किया तो कांग्रेस का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। किसी को कांग्रेस नकारती है तो भाजपा बांहें फैला कर उसका स्वागत कर लेगी। महाराष्ट्र का यह सच देश के बाकी राज्यों का सच भी है। इस सच का निहितार्थ सत्ता के लालच के संदर्भ में ही समझा जा सकता है।

सत्ता के लिए कुछ भी किया जा सकता है, किया जा रहा है। लेकिन सत्ता के लिए विचारधारा की जिस तरह आज बलि दी जा रही है, वह जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की धज्जियां उड़ाना ही है। आजादी प्राप्त करने के कुछ अर्सा बाद तक स्थिति ऐसी या इतनी बुरी नहीं थी। हमारे पास ऐसे नेता थे जो नीतियों और मूल्यों की राजनीति में विश्वास करते थे। तब एक सीमा तक हमारी राजनीति तीन हिस्सों में बंटी हुई थीदृ वामपंथी, दक्षिणपंथी और मध्यमार्गी। तब हमारा मतदाता इतना शिक्षित नहीं था, जितना आज है। पर राजनीति के इस विभाजन को वह समझता था। तब हमारे नेताओं को अपनी छवि की, शायद, ज्यादा चिंता थी। आज स्थिति बदल गयी है। नेता भले ही यह कहता रहे कि 'यह पब्लिक है सब जानती है' पर मानता वह यही है कि पब्लिक को बरगलाया जा सकता है। इसीलिए जब चाहे कोई 'आयाराम गयाराम' बन जाता है और सब जानने का दावा करने वाली पब्लिक यह खेल देखकर हंसती रह जाती है। पर बात हंसने की नहीं है। पीड़ा देने वाली बात है यह। मतदाता का कर्तव्य है कि वह आयाराम गयाराम की राजनीति में विश्वास करने वाले प्रत्याशियों से पूछे कि उनके आचरण को अस्वीकार क्यों न किया जाये? क्यों न पूछा जाये कि वह मतदाता को इतना कमजोर क्यों समझते हैं कि कुछ भी करना—कहना अपना अधिकार मान लेते हैं? और यह सवाल मतदाता को अपने आप से भी पूछना चाहिए कि वह अक्सर नेताओं के हाथ का खिलौना क्यों बन जाता है?

एक बात जो और उभर कर सामने आयी है, वह अपनी संतानों को नेताओं द्वारा राजनीतिक उत्तराधिकार देने की है। यह सिर्फ महाराष्ट्र का सच नहीं है कि अधिकतर बड़े नेता अपनी संतानों को राजनीति में 'फिट' करना चाह रहे हैं। यहां भी वे इस बात की कोई परवाह नहीं करते कि उनके इस कार्य को अनैतिक माना जायेगा। राजनीतिज्ञ की संतान का राजनीति में आना कतई गलत नहीं है। गलत तो यह है कि राजनेता अपनी गद्दी को विरासत में देना अपना अधिकार समझने लगे हैं। और नेता—संतानें भी पिता की गद्दी पर अपना अधिकार समझती हैं। नेताओं और उनकी संतानों का यह कथित अधिकार अनैतिक है। जनतंत्र हर एक को अपनी योग्यता—क्षमता प्रमाणित करने का अवसर देता है। पर यह क्षमता—योग्यता विरासत में नहीं मिलती।

यह बात हमारे राजनेताओं और मतदाताओं, दोनों को प्रमाणित करनी होती है। रातो—रात पाला बदलना जहां एक ओर व्यक्ति की सत्ता—लोलुपता को उजागर करता है वहीं सिद्धांतहीन राजनीति उस खतरे का भी संकेत देती है जो जनतांत्रिक व्यवस्था और सोच के सामने आ खड़ा हुआ है। इस खतरे का अहसास और मुकाबला, राजनेताओं को नहीं, जनता को करना है। जनता यानी मैं और आप। हमें अपने आप से पूछना होगा कि क्या हम इस मुकाबले के लिए तैयार हैं?

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

राजनीति में बदलते आदर्श और अपराध

—निर्मल रानी—

सदियों से हमारे देश में यह ज्ञान बांटा जाता रहा है कि किसी जमाने में भारत शविश्व गुरुश हुआ करता था। पिछले एक दशक से फिर यही चर्चा बलवती हो चुकी है कि भारत एक बार पुनः विश्व गुरु की राह पर अग्रसर है। बकौल प्रसिद्ध व्यंगकार सम्पत सरल, शहमारा भारत विश्व गुरु बनने के 'आउटर' पर खड़ा हुआ हैश। परन्तु हमारा देश पहले जब कभी विश्वगुरु रहा होगा और अब जबकि एक बार फिर से विश्व गुरु बनने की तैय्यारी में है, इस समय अंतराल में हम एक बहुत बड़ा अंतर भी देख रहे हैं। पहले जब कभी हमारे पूर्वज शविश्वगुरु भारतश में सांस ले रहे होंगे उस समय हमारे आदर्श, हमारे प्रेरणास्रोत हमारे मार्गदर्शक निश्चित रूप से ऐसे अनेक महापुरुष भी रहे होंगे जो हमें आदर्श जीवन व्यतीत करने,चरित्रवान बनने,मानवीय मूल्यों का पालन करने,सद्भाव,सहयोग,सहायता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में ढालने की प्रेरणा देते रहे होंगे। हमारे अनेक धार्मिक ग्रंथ इस तरह की धार्मिक,सामाजिक व मानवीय शिक्षाओं व निर्देशों से भी भरे पड़े हैं। हमारे देश का इतिहास ऐसे एक से बढ़कर एक बलिदानियों, त्यागियों, तपस्वियों, ऋषियों मुनियों संतों व पीरों फकीरों व आदर्श पुरुषों से पटा पड़ा है जिन्होंने अपने आचरण से देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का मार्ग दर्शन किया है।

परन्तु आज पुनः जब यह चर्चा चलती है कि श्भारत एक बार फिर से विश्व गुरु होने जा रहा हैश ठीक उसी समय जब हम 'विश्व गुरु पार्ट 2' के दौर के अपने आज के आदर्शों,प्रेरणास्रोतों और मार्ग दर्शकों पर भी नजर डालते हैं तो हमें कुछ और ही दृश्य दिखाई देता है। आज के दौर में पहले जैसे प्रेरणास्रोत महापुरुषों की तो खैर कल्पना ही नहीं की जा सकती परन्तु उससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि आज हमारे समाज का एक बड़ा वर्ग खासकर युवा वर्ग ऐसे लोगों को अपना आदर्श मांनने लगा है या ऐसे लोगों से प्रेरित हो रहा है जो अपराधी हैं,हत्यारे व बलात्कारी हैं,गुंडे और मवाली प्रवृति के लोग हैं। और इससे भी बड़ा दुर्भाग्य यह है कि अब समाज द्वारा किसी की अच्छाई बुराई या उसके पक्ष अथवा विपक्ष में खड़े होने या बोलने का निर्णय उसके धर्म सम्प्रदाय व जाति के अनुसार किया जाने लगा है।

गत एक दशक में भारत में ऐसी सैकड़ों मिसालें देखने को मिल जाएँगी जिसमें न केवल बड़ी भीड़ द्वारा बल्कि सत्ता के संरक्षण तक में हत्यारों का महिमामंडन किया गया है। बलात्कारियों,सामूहिक बलकार व सामूहिक हत्या के दोषियों को मान सम्मान दिया गया है। कहीं राज्यों द्वारा सरकारी स्तर पर ऐसे अपराधियों को जेल से रिहाई दिलाई गयी। सामूहिक बलकार व सामूहिक हत्या के दोषियों को रिहा करने की गरज से सरकार द्वारा ऐसे अपराधियों को श्चरित्रवान श होने का प्रमाणपत्र जारी किया गया। कहीं अपने राजनैतिक हित साधने के लिये बलात्कार व सामूहिक हत्या के ऐसे ही दोषी को जरुरत से ज्यादा बार जेल से पेरोल पर रिहा किया गया। हद तो यह है कि केवल धर्म के आधार पर जम्मू कश्मीर में कठुआ की एक आठ साल की मासूम बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार करने व उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंकने वाले लोगों के समर्थन में जम्मू कश्मीर सरकार के मंत्री व विधायक व पार्टी कार्यकर्त्ता तक जुलूस निकालते,धरना देते व तिरंगा यात्रा तक निकालते दिखाई दिये।

अब इन दिनों इसी अपराध पूर्ण प्रवृति में एक नया ट्रेंड दिखाई देने लगा है। पेशेवर अपराधियों व सरगनाओं व गैंगस्टर का भी महिमामंडन किया जाने लगा है। जो अपराधी भारत से लेकर विदेशों तक जबरन पैसे वसूली के रैकेट चला रहे हैं वे अपने धर्म या जाति का चोला ओढ़कर स्वयं को अपने समाज के आदर्श पुरुष व प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित करने लगे हैं। और मजे की बात तो यह है कि ऐसे अपराधियों को उनसे सम्बंधित समाज का ही नहीं बल्कि राजनीतिज्ञों का भी समर्थन हासिल हो रहा है। यह स्थिति अचानक पैदा नहीं हुई है बल्कि मात्र अपने राजनैतिक लाभ के लिये साम्प्रदायिक व जातिवादी ताकतों द्वारा धीरे धीरे देश में ऐसा माहौल पैदा किया जा चुका है कि महापुरुषों के अभाव के वर्तमान दौर में आज हत्यारे बलात्कारी गुंडे व मवाली किस्म के लोगों को ही लोगअपना आदर्श मानने लगे हैं। साफ शब्दों में उनका चरित्र उनके अपराध से नहीं बल्कि उनके धर्म व जाति से तय किया जाने लगा है।

वैसे सच पूछिए तो यह स्थिति भारत में एक न एक दिन पैदा होनी ही थी। क्योंकि जब महात्मा गांधी के रूप में आजाद भारत में पहली राजनैतिक हत्या नाथू राम गोडसे द्वारा की गयी उसी समय से एक वर्ग विशेष गोडसे के समर्थन में भी खड़ा हो गया था। और उसी विचारधारा व मानसिकता के लोग आज तक गांधी को अपमानित करते व हत्यारे गोडसे का महिमामंडन करते आ रहे हैं। जाहिर है किसी अपराधी व हत्यारे के महिमांडन की प्रवृति ने यही रूप लेना था जो आज हमें दिखाई दे रहा है। चाहे वह कठुआ में 8 वर्षीय आसिफा के बलात्कारी व हत्यारे हों या राजस्थान का हत्यारा शम्भू रैगर, चाहे वे गुजरात में बिल्कीस बानो व उनके परिवार के हत्यारे व सामूहिक बलात्कारी हों या बनारस विश्वविद्यालय के बलात्कारी आई टी सेल के लोग या फिर इन जैसे और सैकड़ों उदाहरण,और अब पैसा वसूली करने वाले गैंगस्टर्स का किया जाने वाला महिमामंडन,निश्चित रूप से यह मिसालें हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती हैं कि क्या अब हमारे आदर्श, हत्यारे बलात्कारी गुंडे मवाली व गैंगस्टर्स ही रह गये हैं ? और क्या भारत अब इन्हीं से प्रेरणा लेकर विश्वगुरु पार्ट 2 बनने की तैयारी कर रहा है ?

कांग्रेस में प्रियंका गांधी से जुड़ी उम्मीदें

—पूनम आई. कौशिश—

35 वर्ष बहुत लंबी अवधि होती है किंतु राजनीति में इसे लंबी अवधि नहीं माना जाता। प्रियंका गांधी 35 वर्षों से चुनाव प्रचार कर रही हैं। अपने परिचय में उन्होंने अपने लिए जन समर्थन मांगा है। वे 2019 में औपचारिक रूप से राजनीति में आईं और कांग्रेस की महासचिव बनीं तथा उसके बाद उन्हें उत्तर प्रदेश में भारी हार का सामना करना पड़ा किंतु इस वर्ष चुनाव प्रभारी के रूप में उन्हें हिमाचल में आपवादिक जीत मिली। निरूसंदेह वह करिश्माई नेता हैं और उनकी सूरत अपनी दादी इंदिरा से मिलती है। उनमें स्पष्टता और आत्मविश्वास है और वह जल्दी से लोगों से जुड़ जाती हैं। गांधी परिवार के एक निष्ठावान नेता का कहना है कि वह जन्मजात राजनीतिक रूप से कुशल हैं और उनमें ऐसी क्षमता है कि भीड़ को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं, जबकि राहुल गांधी सौम्य हैं।

तथापि उनका राजनीतिक जीवन अभी कुछ खास उल्लेखनीय नहीं है। उन्हें कोई सक्रिय राजनीतिक अनुभव नहीं। वह सिर्फ सोनिया गांधी और राहुल गांधी की चुनाव प्रबंधक रही हैं और उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में चुनावों के दौरान कुछ भाषण दिए हैं। इससे प्रश्न उठता है कि प्रियंका का चुनाव प्रचार कितना सघन होगा? क्या उनके लिए जीत आसान होगी, विशेषकर इसलिए भी कि उनके पति राबर्ट वाड्रा कई घोटालों से जुड़े हुए हैं। क्या वह अपनी दादी इंदिरा गांधी के बेलछी नरसंहार के राजनीतिक समय की तरह लाभ उठा पाएंगी? हालांकि वायनाड उनके लिए एक सुरक्षित सीट है। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त रहा है और वहां कठोर राजनीति की आवश्यकता है।

प्रियंका को वायनाड से खड़ा करने से विशेषज्ञों का मानना है कि कांग्रेस इस अलोचना से बचना चाह रही है कि गांधी परिवार ने दक्षिण को नजरंदाज किया, हालांकि इस क्षेत्र से कांग्रेस को राजनीतिक लाभ मिल रहा है। प्रियंका के राजनीति में प्रवेश से न केवल कार्यकर्त्ताओं में जोश आएगा, अपितु वह यह भी संदेश देंगी कि वह अपने भाई के साए से बाहर निकल गई हैं और अपने भाई व मां के साथ मिलकर कांग्रेस नेतृत्व पर नेहरू—गांधी परिवार की पकड़ मजबूत तथा पार्टी का भविष्य तय करने में अपनी भूमिका की पुष्टि कर रही हैं। देखना यह है कि वह मतदाताओं का दिल जीत पाती हैं या नहीं। कांग्रेस उनकी उपस्थिति से लाभान्वित होगी। प्रियंका राहुल गांधी की छवि को प्रभावित किए बिना उन्हें हर संभव सहायता करने का प्रयास करेंगी। उनके विरोधी राहुल गांधी की इस टिप्पणी की आलोचना कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रियंका को चुनकर वायनाड के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि वायनाड को दो सांसद मिलेंगे एक आधिकारिक और एक अनाधिकारिक। शायद वे इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रति भाई—बहन के समर्पण को प्रदर्शित करना चाहते हैं किंतु उनके इस वक्तव्य का तात्पर्य यह निकाला गया कि प्रियंका राहुल की प्रॉक्सी होंगी।

प्रियंका के चुनावी राजनीति में प्रवेश का एक पहलू यह भी है कि यदि वह राहुल पर भारी पड़ीं और उन्होंने राहुल को निरर्थक साबित किया और एक सत्ता का केन्द्र बनीं तो यह कांग्रेस के लिए विनाशक हो सकता है। एक पुराने कांग्रेसी नेता का कहना है कि एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकतीं। इसके अलावा वे न तो इंदिरा हैं और न ही सोनिया, जिन्होंने कांग्रेस के भाग्य को चमकाया था। उनकी बौद्धिक क्षमता का अभी परीक्षण नहीं हुआ है। यह सही है कि वह अभी परिवार के गढ़ में सफल रही हैं, किंतु वह गढ़ पूरे देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्रियंका गांधी अपने पति राबर्ट वाड्रा के विवादित भूमि सौदों और गलत तरीकों से अर्जित संपत्ति का बचाव कर रही हैं। कांग्रेस के पहले जमाई राजा पर दिल्ली स्थित भवन निर्माण कंपनी डी.एल.एफ. से अनुचित लाभ प्राप्त करने का आरोप है, जहां उनकी संपत्ति 2007 में 50 लाख रुपए से बढ़कर 2012 में 300 करोड़ रुपए हो गई थी।

प्रियंका ने राबर्ड वाड्रा की चल और अचल संपत्ति क्रमशरू 37 करोड़ और 27 करोड़ रुपए दर्शाई है। यही नहीं, प्रवर्तन निदेशालय ने वाड्रा पर मनी लांड्रिंग ऑर अवैध रूप से विदेशी संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है, जिसमें वर्ष 2005 से 2010 के बीच यू.पी.ए. सरकार के दौरान रक्षा और पैट्रोलियम सौदों में रिश्वत से प्राप्त राशि से 12 मिलियन पाऊंड मूल्य की लंदन में 2 बड़ी संपत्तियां और 6 फ्लैट भी शामिल हैं। वाड्रा के खिलाफ नियमों के विरुद्ध राजस्थान के बीकानेर में 275 बीघा जमीन खरीदने के लिए भी जांच चल रही है। इस संबंध में प्रवर्तन निदेशालय ने 2015 में एक मामला दर्ज किया था। अब प्रियंका के चुनावी राजनीति में आने से वाड्रा के कथित गलत सौदे फिर से उठेंगे, हालांकि पिछले कुछ वर्षों से उनके विरुद्ध जांच चल रही है। निरूसंदेह वाड्रा प्रियंका के सिर पर एक लटकी हुई तलवार की तरह हैं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इस बात से भी चिंतित हैं कि क्या बेबाक वाड्रा पृष्ठभूमि में रहेंगे या फिर सार्वजनिक बयान देने लगेंगे क्योंकि वह कई बार अपनी चुनाव लडने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर चुके हैं।

प्रियंका को यह बात भी ध्यान में रखनी होगी कि राजनीति एक पार्ट टाइम व्यवसाय नहीं और सफलता मीडिया स्पेस से नहीं अपितु वोट से मिलती है। हालांकि वह आज कांग्रेस के राजनीतिक क्षितिज में एक इन्द्रधनुष की तरह हैं, किंतु उन्हें वास्तविकता का सामना करना पड़ेगा। राजनीति एक बड़ा जुआ है, जो किसी भी तरफ पलट सकता है। प्रियंका को हमेशा चुनाव प्रचार करने वाली बहन की भूमिका से बाहर निकलना और राजनीति में अपना स्थान सुनिश्चित करना होगा। उनसे बड़ी अपेक्षाएं हैं और उनकी क्षमताओं का निर्णय वायनाड और अन्य चुनावी जीतों द्वारा निर्धारित किया जाएगा। आप परिवार के लोगों का नाम लेकर चुनाव जीत सकती हैं, किंतु कितने चुनाव और कब तक? उन्हें एक नेता के रूप में अपने को साबित करना होगा कि वह पार्टी में एक नई जान फूंक सकती हैं। कांग्रेस को इस बात को ध्यान में रखना होगा कि सर्वोत्तम राजनतिक प्रणाली पार्टी के स्वतंत्र, निष्पक्ष और नियमित चुनाव करवाना है।

छोटी दिवाली पर भी जमकर खरीदारी, बाजार चमके

संवाददाता–गोण्डा। नरक चतुर्दशी यानी छोटी दिवाली पर बुधवार को बाजार ग्राहकों की चहलकदमी से गुलजार नजर आए। लक्ष्मी–गणेश की प्रतिमा, दीयों, मोमबत्ती, पूजन सामग्री के साथ ही मिठाई, खील–बताशे के खरीदारों की भीड़ बाजार में देखने को मिली। शहर के चौक बाजार में मूर्ति की दुकानों पर 100 रुपये से लेकर 3500 तक मूर्तियां लोगों ने खरीदी। दुकानदार भोला ने बताया कि गणेश जी की मूर्ति हमारे यहां 35 सौ रुपए की है। इसके अलावा मां लक्ष्मी की मूर्तियां भी लोगों ने पसंद कीं। दुकानदारों ने बताया कि बाजार में लखनऊ, कोलकाता एवं गुजरात के कई शहरों से मंगाई गई मूर्ति काफी पसंद की जा रही है। उधर गल्ला मंडी, चूड़ी गली, ठठेरी बाजार में गोटे, झालर, बनावटी फूल और पत्तियों की लड़ी भी लोगों ने खरीदी। चौक बाजार में बुधवार को लइया, खील, गट्टा, चूरा, बताशे आदि की खरीदारी के लिए भीड़ रही। बताया जाता है कि अगली बार से इनके दाम में 10 से 20 रुपये का इजाफा हुआ। पीपल तिराहे पर दुकान लगाए कारोबारी राजू और मोटू का कहना है कि इस बार महंगाई का असर दिखा है। उन्होंने बताया लईया 60 से 80 रुपए किलो तक बिक रहा है। चूरा महीन 60 से 70, चूरा (मोटा) 70 से 90 रुपए में है। दिवाली पर त्योहार पूरा शहर दुल्हन की तरह सजा रहा। प्रतिष्ठान और घर झिलमिल रोशनी से चमकदार रोशन हो उठे हैं। रंगबिरंगी झालरों और सजावटों में बेहतरीन नजारा दिखा। घरों को रोशन करने के लिए रोशनी और सजावटी सामानों की दुकानों से लोगो ने पूरे दिन जमकर खरीदारी की।

दिवाली के जश्न में आज होगा धूम-धड़ाका

संवाददाता–गोण्डा। जिले में जश्न के साथ आतिशबाजी कर धूम–धड़ाका करने की तैयार हैं। रोशनी का पर्व दीपावली गुरुवार को मनाया जाएगा। बुधवार को दिनभर पटाखा बाजार में भीड़ जुटी रही। बड़ों के साथ बच्चों ने भी देर रात तक पटाखे की खरीदारी की। शहर के टामसन मैदान में आतिशबाजी की वैरायटियों की भरमार है। सेब अनार, फोर इन वन समेत एक हजार से ज्यादा वैरायटी उपलब्ध हैं। इको फ्रेंडली पटाखा तेज रोशनी बिखेरने के साथ कई आकृति बनाएगा। बर्ड शाइन समेत कई पटाखे दिवाली में सतरंगी छटा बिखेरेंगे। अस्थाई पटाखों की दुकानदारों को सुरक्षा के लिए पानी का ड्रम, रेत व अन्य सामान रखने के निर्देश देते हुए लगभग 120 लाइसेंस जारी हुए हैं। तीन दिन की अनुमति के बाद दुकानदारों ने टामसन मैदान में पटाखे की दुकानें लगाई है। दीपावली में इस बार ग्रीन पटाखो की भरमार है। पटाखा विक्रेता नूरुल ने बताया कि पर्यावरण को देखते हुए इस वर्ष शहरवासियों के लिए ग्रीन पटाखा उपलब्ध कराया गया है। वहीं, छोटे बच्चों के लिए बिना विस्फोट के अवाज वाले पटाखे लाए गए हैं। वही दुकानदार नूह अंसारी ने बताया बाहुबली नाम से बिकने वाले इन पटाखों को बच्चों के साथ–साथ अभिभावक भी पसंद कर रहे हैं। इनकी कीमत 15 रुपये से लेकर 55 रुपये तक है। दुकानदार कल्लू मनिहार और हबीबुल्लाह ने बताया कि कि पटाखों की कीमत में इस बार लगभग 10– 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

डीएम दिव्या मित्तल का ऐक्शन, प्रधान और सचिव से साढ़े 10 लाख की वसूली का दिया आदेश

संवाददाता–देवरिया। डीएम दिव्या मित्तल अपनी अच्छी कार्यशैली के लिए अक्सर चर्चा में रहती हैं। अब उन्होंने सामान्य लोगों की निजी जमीन पर पंचायत भवन बनवा देने के मामले में ऐसा ऐक्शन लिया है जिसकी काफी चर्चा हो रही है। डीएम दिव्या मित्तल ने आदेश दिया है कि पंचायत भवन बनवाने में खर्च 10 लाख 46 हजार रुपए की राशि आधी–आधी प्रधान और पंचायत सचिव से वसूल की जाए। अपने आदेश में उन्होंने कहा है कि यदि 15 दिन के अंदर धनराशि जमा नहीं की गई तो इसकी वसूली उसी तरह होगी जैसे भू–राजस्व बकाए की वसूली होती है। गौरी बाजार विकासखंड के गांव गौरी बुजुर्ग का है। गांव के रहने वाले सोनू यादव पुत्र चौथी यादव ने 5 अगस्त को शिकायत की थी कि उनकी ग्राम पंचायत में वर्ष 2019–20 में आरजीएसए योजना के तहत जिस पंचायत भवन का निर्माण हुआ उसमें अनियमितता हुई है। इस मामले में गौरी बाजार के सहायक विकास अधिकारी ने जांच कर अपनी आख्या दी। इसमें बताया गया कि पंचायत भवन निर्माण के लिए आवंटित धनराशि 17 लाख 46 हजार के सापेक्ष वास्तविक तथ्य छिपाते हुए सोनू यादव, संत राज यादव, सुरेश यादव, बुद्धिराम आदि के निजी जमीन पर पंचायत भवन का निर्माण नियम विरुद्ध तरीके से करा दिया गया। इस पर 10 लाख 46 हजार चालीस रुपए का भुगतान कराकर शासकीय धन का दुरुपयोग किया गया। जांच के बाद इस मामले में तत्कालीन ग्राम प्रधान लालमति देवी और सचिव अंबिका प्रसाद को संयुक्त रूप से जिम्मेदार मानते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। लेकिन उन्होंने लंबे समय तक का इस नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया। जवाब के लिए अंतिम मौका देने के बाद भी तत्कालीन उस समय पद पर रहे दोनों में से किसी ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। इसके बाद ग्राम पंचायत के तत्कालीन ग्राम प्रधान और सचिव को संयुक्त रूप से दोषी मानते हुए जिलाधिकारी ने दुरुपयोग की गई कुल धनराशि में से आधी धनराशि 5 लाख 23 हजार 20 रुपए तत्कालीन ग्राम प्रधान और इतनी ही धनराशि सचिव से वसूल करने का निर्देश दिया है। उन्होंने इसके लिए ग्राम पंचायत के संबंधित खाते में 15 दिन के भीतर दुरुपयोग की गई धनराशि को जमा करने का निर्देश दिया है।

दीपोत्सव में बच्चों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

संवाददाता–गोण्डा। फुलवारी पब्लिक स्कूल में दीपावली महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय को रंग बिरंगी झालरों एवं दीयों से सजाया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। महोत्सव का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, रीति–रिवाज और पर्व के महत्व को समझाना था। महोत्सव का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष वीर विक्रम सिंह और शमालती सिंह, सचिव क्रांति कुमार सिंह तथा प्रबंधक नीता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य और गायन की प्रस्तुति दी। डोनेशन ड्राइव के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों ने गरीब परिवार की दीपावली में भी प्रकाश लाने की कोशिश की। कक्षा दो के छात्रों ने नाटक प्रस्तुति के माध्यम से शांति, प्रेम, पवित्रता और हिम्मत का संदेश दिया। विद्यालय प्रांगण में क्लब प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार की पेंटिंग, मटके की सजावट, दीयों की सजावट एवं झूमर के सजावट को प्रदर्शित किया गया। कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों ने रंगोलियां, मटके की सजावट, वॉल पेंटिंग और मिट्टी के दीये बनाए। कार्यक्रम की समाप्ति पर विद्यालय स्टाफ को उपहार दिए गए। सभी सजावट एक्टिविटी इंचार्ज दिनेश सोनी द्वारा दी गई। इस दौरान उप प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा, सौम्या द्विवेदी, हर्षित सिंह, ज्योति चौरसिया, राहुल पांडे, दिव्या सिंह, शगुन पांडे, सुषमा पांडे, होनेंग, श्वेता सिंह, मोनिका श्रीवास्तव, चांदनी द्विवेदी, संगीता शुक्ला, नजरा नूर, शालिनी सिंह, निशी मिश्रा, राजन सिंह, सोनू शुक्ला, सूरज मिश्रा, अंजलि ओझा, नागेंद्र सिंह आलोक द्विवेदी, ज्ञानेंद्र सिंह, शुभम श्रीवास्तव, अनुराग त्रिपाठी,अनस महबूब, महेंद्र नाथ मिश्रा रही।

आयुक्त की पत्नी ने वृद्धाश्रम पहुंचकर बांटी खुशियां

संवाददाता–गोण्डा। दिवाली पर मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील की पत्नी गरिमा भूषण वृद्धाआश्रम पहुंची। न्याय मिशन सेवा समिति की ओर से संचालित वृद्धाश्रम में जाकर उन्होंने वृद्धजनों का सुख – दुख बांटा। आश्रम में वृद्धों के साथ दीवाली की खुशियां बांटी। उन्होंने मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल का वितरण कर वृद्धजनों को दिवाली त्योहार की बधाई दी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलना हर्ष की बातरू आयुक्त की पत्नी गरिमा ने कहा कि त्योहार के पर बुजुर्गों का आशीर्वाद काफी महत्वपूर्ण होता है। दीपावली जैसे शुभ अवसर पर बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलना हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम आकर वृद्धजनों के साथ समय बिताने में हमेशा सुकून मिलता है।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का आगाज

संवाददाता–बहराइच। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को जिले में आगाज हो गया। तहसील सदर के सभागार में एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर पुनरीक्षण अभियान का श्री गणेश किया। इससे पूर्व नवनियुक्त महिला लेखपालों की ओर से सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। एडीएम ने 18 वर्ष आयु वर्ग के नवयुवक एवं नवयुवतियों के बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा फार्म–6 भी भरवाए गए। एडीएम ने बताया कि 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक दावे व आपत्तियां प्राप्त की जायेगी। 09, 10, 23 व 24 नवम्बर को विशेष अभियान तिथियां होंगी। निर्धारित समयावधि में प्राप्त होने वाले दावे और आपत्तियों के निस्तारण की तिथि 24 दिसम्बर निर्धारित है। निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जायेगा। एडीएम बूथ लेवल आफिसर अपने–अपने मतदेय स्थलों पर पूर्वान्ह 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक उपस्थित रहकर दावे व आपत्तियां प्राप्त करेंगे। अधिक से अधिक संख्या में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं का फॉर्म 6 भर कर बीएलओ एप के माध्यम से ऑनलाइन करें। फॉर्म–7 साथ भराकर मतदाता सूची से विलोपन एवं मतदाता सूची में त्रुटिपूर्ण दर्ज मतदाताओं से फॉर्म–8 भरवाकर संशोधन भी करायें।

सर्पदंश से बालक की मौत, महिला घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। दो अलग अलग घटनाओं में सर्पदंश से एक बालक की मौत हो गई। जबकि एक महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम धूमबोझी निवासी आदर्श उर्फ गोलू (9) पुत्र नंद किशोर मंगलवार रात घर में बिजली बोर्ड पर लगा चार्जिंग पर लगे टार्च को निकालने गया था। जहां कमरे के दरवाजे के किनारे बैठे सांप ने उसके दाहिने पैर में डस लिया। बालक के शोर मचाने पर सर्प मौके से भाग गया। आनन फानन में परिजन बालक को निजी वाहन से जिला अस्पताल बहराइच ले जा रहे थे। जिसकी रास्ते में मौत हो गई। वहीं घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। इसी तरह से सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पड़वलिया निवासी सावित्री देवी (35) बुधवार को घर में सफाई का काम कर रही थी। इसी दौरान किसी विषैले सर्प ने उसे डस लिया।

2100 दीप जला कर मनाया गया दीपोत्सव

संवाददाता–श्रावस्ती। दीपावली पर्व के मौके पर मंगलवार की रात भिनगा के अलक्षेन्द्र इण्टर कालेज में प्रशासन की ओर से दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें 2100 दीप जला कर और पटाखे फोड़ कर हर्षोल्लास पूर्वक दीपोत्सव मनाया गया। दीपोत्सव का शुभारम्भ विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, राजकुमार भिनगा अलक्षेन्द्र कांत सिंह, विधायक भिनगा प्रतिनिधि अरमान वर्मा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भिनगा इरफान अहमद, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व उनकी पत्नी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया व उनकी पत्नी ने गजानन एवं भगवान धनवंतरि को पुष्प अर्पित कर एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान छात्राओं ने गणपति एवं सरस्वती वंदना कार्यक्रम का प्रस्तुतिकरण किया। दीपोत्सव समारोह के अवसर पर आतिशबाजी एवं फुलझड़ी जलाई गई। इस दौरान सांस्कृतिक संध्या का प्रस्तुतीकरण लखनऊ से प्रतिभाग कर रहे चन्दन व अर्जुन मिश्रा की टीम ने किया। जिसमें विभिन्न भक्ति गीतों आरी कोई काजल लाओ री, हम तेरे शहर में आए है मुसाफिर की तरह, दमादम मस्त कलंदर आदि भजन व सूफी गीतों से लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अयोध्या में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अयोध्या के तर्ज पर ही जिलों में भी दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जिसमें 2100 दीपों को प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक अजीत उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमरेंद्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी भिनगा पीयूष जायसवाल, ईओ डा अनीता शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य कर्मियों का पता नहीं, कूड़ाघर बन गया स्वास्थ्य केंद्र

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट सेंचुरी क्षेत्र से लगे बड़खड़िया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपेक्षा की ऐसी धूल जमा हुई है कि इलाज करने वाले इस केंद्र को अब खुद इलाज की दरकार है। झाड़–झंखाड़ से घिरा केंद्र कूड़ाघर बन गया है। सालों बीत गए न तो केंद्र का ताला खुला, और न ही यहां तैनात चिकित्साकर्मियों का ही अता–पता है। इसके चलते क्षेत्रीय लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़खड़िया में दो दशक पूर्व लाखों की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण हुआ था। जिस पर लोगों को बेहतर इलाज की उम्मीद जागी थी, लेकिन लाखों की लागत से बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई कर्मचारी ही नहीं आ रहा है। इतना ही नहीं मोतीपुर सीएचसी के अधीक्षक या मुख्य चिकित्साधिकारी की ओर से इस स्वास्थ्य केंद्र की देखरेख भी नहीं की जा रही है। जिससे गांव के लोगों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को ही कूड़ा घर बना लिया। इतना ही नहीं चारों तरफ का गंदा पानी इस अस्पताल परिसर में एकत्र हो रहा है। देखरेख के अभाव में अस्पताल का भवन तो जर्जर हो ही गया है, सरकार का लाखों रुपये भी बर्बाद हो गया है। अस्पताल के जर्जर होने से क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए अधिक दूरी तय कर सीएचसी मोतीपुर या पीएचसी सुजौली का रुख करना पड़ता है। गांव के लोगों ने बताया कि कई बार पत्र लिखकर पीएचसी के निर्माण और रख– रखाव बेहतर करने की मांग की गई, लेकिन किसी अधिकारी ने कोई ध्यान नहीं दिया। 14 वर्ष से नहीं आए स्वास्थ्य कर्मीरू पीएचसी में डॉक्टर के साथ स्टॉफ नर्स और वार्डबॉय की तैनाती होती है। जंगल से सटे इलाके में इसकी और आवश्यकता होने के बाद भी 14 वर्ष से कोई डॉक्टर नहीं आया है, और न ही किसी अन्य स्वास्थ्य कर्मी की तैनाती की गई है। डॉ. संजय कुमार शर्मा, सीएमओ ने कहा कि बड़खड़िया गांव में स्वास्थ्य केंद्र निष्प्रयोज्य होने की अब जानकारी हुई है। पूरे मामले की जानकारी अधीक्षक से लेकर संचालन के लिए कदम उठाए जाएंगे।

अन्नकूट दर्शन व छप्पन भोग महोत्सव से सजेगा छपिया धाम

संवाददाता–गोण्डा। भगवान घनश्याम महाराज की जन्म स्थली स्वामिनारायण मंदिर में प्रकाश पर्व दीपावली पर विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन साथ किया जायेगा। मंदिर के महंत स्वामी देव प्रकाश स्वामी और गुरु जगत प्रकाश स्वामी ने बताया कि 31 अक्टूबर को दीपावली के दिन निज मंदिर, जन्म स्थान का नूतन मंदिर, नारायण सरोवर सहित पूरे मंदिर परिसर को दीप पुंजिकाओं से भव्य रूप से पुजित कर सजाया गया जा रहा है। भगवान् का दिव्य स्वर्ण श्रृंगार किया जायेगा। दीपोत्सव महोत्सव, लक्ष्मी पूजन, चोपड़ा पूजन किया जायेगा। 2 नवम्बर शनिवार को एव बाल स्वरुप प्रभु घनश्याम महराज का छप्पन भोग, नूतन वर्ष प्रारम्भ महोत्सव व अन्नकूट दर्शन महोत्सव पूरे पारम्परिक रूप से मनाया जायेगा।

उत्सव के अनेक अनुपम रंग व छटा का भक्तगण दर्शन करेंगे छप्पन प्रकार के व्यंजनों को हरिभक्त अपने हाथों से बना कर भगवान का दिव्य भोग लगायेगें। महोत्सव में गुजरात सहित अन्य क्षेत्रीय हरिभक्त पूजन अर्चन करेंगे। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी है। कोठरी विष्णु स्वामी ने बताया कि अन्नकूट दर्शन मात्र से मन को शांति मिलती है। प्रसाद ग्रहण करने से सभी प्रकार की आन्तरिक व वाह्य सारी व्याधियां दूर हो जाती है।

धनतेरस पर जमकर हुई धनवर्षा, दो सौ करोड़ से अधिक का हुआ कारोबार

संवाददाता–देवरिया। धनतेरस का त्यौहार मंगलवार को उल्लासपूर्वक मनाया गया। शहर से लेकर गांव तक बाइक, कार, कामर्शियल वाहन, कृषि यंत्र, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सर्राफा, मिठाई, सजावटी सामान, झाड़ू की दुकानों पर खूब धनवर्षा हुई। गणेश लक्ष्मी की प्रतिमाएं, पूजन सामग्री से लेकर फल, फूल सभी दुकानें ग्राहकों से गुलजार रहीं। जिले भर में दो सौ करोड़ से अधिक के कारोबार का अनुमान है। व्यापारी सुबह ही अपने शोरूम, दुकानें खोलकर सामान सजा लिए। लोग घर का कामकाज निपटाकर बाजार में चल दिए। सभी ने अपनी जरुरत और हैसियत के अनुसार सामानों की खरीददारी की। बाइक, कार, कामर्शियल वाहन, कृषि यंत्र से लेकर हर प्रकार के वाहनों की दुकानों पर भीड़ रही। बाजार में सबसे अधिक बिक्री बाइकों की हुई। लगभग पांच हजार बाइक बाजार में एक दिन में बिक गए। गणपति हीरो के प्रोपराइटर रोहित छापड़िया के अनुसार सभी आउटलेट व सबडीलर्स को मिलाकर दिन भर में दो हजार बाइक की बिक्री हुई। विभिन्न सेगमेंट की बाइकों को मिलाकर लगभग 14 करोड़ का कारोबार हुआ। गणेश बजाज के अनुसार 1200 बाइक की बिक्री हुई। लगभग 10 करोड़ का रुपये का टर्नओवर रहा। और होंडा के प्रोपराइटर मयंक अग्रवाल के अनुसार दो करोड़ रुपये की दो सौ बाइक की सेल हुई। राजश्री होंडा के सुजीत जायसवाल के अनुसार होंडा की 3.51 करोड़ रुपये की 400 बाइक बिकीं। गणपति टीवीएस के अभिषेक गुप्ता के अनुसार चार करोड़ रुपये की 351 बाइक धनतेरस पर बिक गईं। पूर्वांचल टीवीएस के प्रोपराइटर नृपेंद्र गुप्ता की मानें तो टीवीएस की 500 बाइक बिकीं। अनुमानित मूल्य पांच करोड़ रुपये रहा।

धनतेरस पर लगभग 25 करोड़ रुपये के कार, कामर्शियल वाहन, कृषि यंत्र, ट्रैक्टर व थ्री व्हीलर की सेल हुई। मारुति सुजुकी की स्मार्टव्हील एजेंसी के मैनेजर राकेश धर दुबे ने बताया कि दिन भर में विभिन्न सेगमेंट के सात करोड़ रुपये मूल्य के 95 वाहन बिके। महिंद्रा के शोरूम दीप आटोमोबाइल के डीके सिंह के अनुसार 4.5 करोड़ रुपये के 30 वाहनों की सेल हुई। गणपति ह्युंडई के रोहित छापड़िया के अनुसार ह्युंडई के 20 गाड़िया बिकीं। यह लगभग चार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इसी तरह जिले भर में लगभग 50 ट्रैक्टर, सौ के करीब थ्री व्हीलर की सेल हुई। बाजार में आभूषण की दुकानों पर भारी भीड़ रही। ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के मालवीय रोड शोरुम, तनिष्क, केके ज्वेल्स, रिलायंस ज्वेल्स गोरखपुर रोड के अलावा शहर के अन्य शोरूम पर खरीददारों की खूब भीड़ रही। यहां सोने व चांदी के सिक्के, आभूषण के खरीददार उमड़ पड़े। लोगों ने अपनी जरुरत व पसंद के अनुसार सामान खरीदे।

धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा बर्तन की दुकानों पर खूब दिखाई दी। शहर के मालवीय रोड, अंसारी रोड, सब्जी मंडी, मोतीलाल रोड, हनुमान मंदिर समेत सभी दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। लोगों ने प्लेट, थाली, गिलास, चम्मच, कुकर, स्टैंड आदि चीजों की खरीददारी की। जिसको जो समझ में आया वह सामान खरीदा। बाजार में सबसे अलग झाड़ू का बाजार गुलजार रहा। मोतीलाल रोड पर झाड़ू की दुकानदारों को बात करने की फुर्सत नहीं थी। दुकानदारों की मानें तो जिले में लगभग ढाई करोड़ रुपये मूल्य के पांच ट्रक झाड़ू धनतेरस के दिन बिक गए। शहर के होलसेलर्स के पास झाड़ू का स्टॉक समाप्त हो गया था। शहर में गणेश लक्ष्मी की प्रतिमाएं भी खूब बिकीं। मिट्टी के विभिन्न आकार प्रकार की प्रतिमाओं के अलावा पीतल व अन्य धातुओं की प्रतिमाओं की भी बिक्री हुई। लगभग दो लाख रुपये मूल्य की अकेले मिट्टी की प्रतिमाएं धनतेरस पर बिक गई। इसके अलावा इन देवताओं के कपड़े और सजावटी सामानों की भी अच्छी खासी सेल हुई।

आरपीएफ ने बढ़ाई गस्त तो बरामद हुआ गांजा और शराब

संवाददाता–देवरिया। दीवाली और छठ को देखते हुए आरपीएफ ने स्टेशन और ट्रेनों में गश्त बढ़ा दिया। गश्त के दौरान जांच में देवरिया सदर की आरपीएफ ने आम्रपाली एक्सप्रेस के सेकेंड एसी में एक बैग में 10 किलो गांजा बरामद हुआ। उधर चौरी चौरा रेलवे स्टेशन पर तीन बैग में रखा शराब बरामद हुआ। जो बिहार ले जाने के लिए रखा हुआ था। देवरिया आरपीएफ पोस्ट के सहायक उप निरीक्षक सूरज प्रसाद यादव कांस्टेबल दीनानाथ यादव और बिहारी नाथ तिवारी के साथ गश्त कर रहे थे। प्लेटफार्म नम्बर दो पर यात्रियों के समानों की जांच कर रहे थे। इसी बीच बिहार से गाड़ी संख्या 15707 आम्रपाली एक्सप्रेस देवरिया सदर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 2 पर पहुंची। आरपीएफ टीम के सदस्य ट्रेन की बोगी में त्वलनशील पदार्थों की जांच कर रहे थे। टीम के सदस्य कोच संख्या ।–1 के वर्थ नम्बर 35 पर पहुंचे। जहां एक काले रंग का ट्राली बैग पड़ा हुआ था। आरपीएफ के सदस्यों ने यात्रियों से बैग के बारे में पूछताछ किया, लेकिन कोई कुछ बता नहीं सका। कोच अटेंडेंट से पूछताछ के बाद आरपीएफ बैग को लेकर पोस्ट पर पहुंची। आरपीएफ की टीम ने बैग खोला तो उसमें चार पैकेट में मादक पदार्थ मिला। पार्सल कार्यालय देवरिया उसका तौल कराया गया तो वह 10 किलोग्राम गांजा बरामद किया।

नवम्बर के पहले सप्ताह में आ जाएगी बोर्ड परीक्षा केंद्रों की सूची

संवाददाता–देवरिया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से संचालित वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची 5 नवम्बर को प्रकाशित किया जा सकता है। इसके लिए विभाग ने पूरी जांच कराने के बाद सूची बनाने में लगा है। पहली सूची जारी होने के बाद उस पर आपत्ति मांगा जाएगा। इसके बाद आपत्तियों का निस्तारण डीएम की कमेटी कर बोर्ड को भेजेगा। उसके बाद अंतिम सूची जारी किया जाएगा। जिले में राजकीय, वित्त पोषित और वित्त विहीन के कुल 554 विद्यालय है। जिसमें 22 राजकीय हाई स्कूल, इंटर कालेज, 122 अशासकीय सहायता प्राप्त हाई स्कूल और इंटर कालेज और 410 वित्त विहिन मान्यता प्राप्त हाई स्कूल और इंटर कालेज है। इसमें लगभग दो लाख के करीब छात्र इन स्कूलों में पढ़ते है। वर्ष 2025 के लिए जिले में हाईस्कूल व इंटर में कुल 126190 छात्र जनपद के अलग अलग परीक्षा केन्द्रों पर बोर्ड की परीक्षा देंगे। हाईस्कूल के 59,490 व इंटर के 66,670 परीक्षार्थी शामिल है। पिछले माह ही जिले के विद्यालयों ने बोर्ड में परीक्षा के लिए आवेदन किया था। उन आवेदनों के आधार पर छात्रों को परीक्षा देने के लिए केन्द्र बनाने की तैयारी में विभाग लगा हुआ है। इसके लिए स्कूलों का जियो लोकेशन की फीडिंग किया गया था। इसके बाद डीएम ने विभाग द्वारा 5 टीम बनाकर स्कूलों की जांच कराया गया था। जिसकी रिपोर्ट आन लाइन कर दिया गया। इसके बाद केन्द्र निर्धारण करने की प्रक्रिया शुरु की गयी। जिले के केन्द्र निर्धारण की सूची 5 या 6 नवम्बर को जारी हो सकती है। 5 व 6 नवम्बर को सूची प्रकाशित होने के बाद छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य, प्रबंधक आपत्ति कर सकेंगे। आपत्ति का निस्तारण और संस्तुति डीएम द्वारा गठित समिति द्वारा प्रमाणित करने के बाद विद्यालय, छात्र आवंटन, परीक्षा केन्द्रों की सूची को वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केन्द्रों की आल लाइन आपत्ति, प्रत्यावेदन को पूरा कर लिया जाएगा। दिसम्बर को आखिरी सूची प्रकाशित कर दिया जाएगा। शिवनारायण सिंह, डीआईओएस ने कहा कि यूपी बोर्ड के लिए इस वर्ष लगभग 1.26 लाख छात्रों ने आवेदन किया है। जिनके लिए परीक्षा केन्द्र बनाने की तैयारी में विभाग लगा हुआ है। बोर्ड परीक्षा के निर्धारण के लिए समय सारणी के अनुसार केन्द्रों की सूची प्रकाशित होगी।

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना से जनपद में 4 इकाइयों की होगी स्थापना

संवाददाता–कुशीनगर। गोवंशीय पशुओं के नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि हेतु मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के तह जनपद कुशीनगर में 4 इकाईयों के स्थापना का लक्ष्य तय किया गया है। एक इकाई की स्थापना पर 23.60 लाख रुपये की लागत आएगी। परियोजना के मानकों को पूर्ण करने पर लाभार्थियों को प्रति इकाई परियोजना लागत का 50 प्रतिशत, अधिकतम 11.80 लाख रुपये की सीमा तक अनुदान दो समान किस्तों में देय होगा। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक जनपदवासी अपने निकटतम राजकीय पशुचिकित्सालय में सम्पर्क करें।

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ रविंद्र प्रसाद ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत गिर, साहीवाल व थारपारकर स्वदेशी उन्नत नस्ल की 10 गायों की इकाई स्थापित की जायेगी, परियोजना की प्रति इकाई कुल अनुमानित लागत 23.60 लाख रुपये होगी। परियोजना की कुल अनुमानित लागत साहीवाल, गिर एवं थारपारकर नस्ल की गायों का प्रति गाय मूल्य एक लाख रुपये के आधार पर आगणित है। चयनित लाभार्थी द्वारा मिश्रित रूप से गायों का क्रय किया जा सकता है। कैटिल शेड व आधार भूत संरचना का निर्माण मानकीकृत डिजाइन के अनुरूप किया जायेगा। कैटिल शेड के छत के निर्माण में पाप पैनल का उपयोग किया जाना अनिवार्य होगा। इस पर आने वाला अतिरिक्त व्ययभार लाभार्थी द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। परियोजनान्तर्गत निर्धारित नस्ल से पृथक किसी अन्य नस्ल की गाय को सम्मिलित किए जाने की व्यवस्था नहीं है। यदि किसी परियोजना में निर्धारित नस्ल से पृथक किसी अन्य नस्ल की गाय को सम्मिलित किया जाता है तो ऐसी परियोजना को संतृप्त नहीं माना जायेगा तथा अनुदान अनुमन्य नहीं होगा। पूर्व में संचालित कामधेनु, मिनी कामधेनु, माइको कामधेनु अथवा नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अन्तर्गत संचालित नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना एवं मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ–सवर्धन योजना के लाभार्थी इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र नहीं होंगे।

कबड्डी में भचकाही की टीम रही विजेता, खिलाड़ियों को मिला पुरस्कार

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया दीपावली के मौके पर बुधवार से आदिवासी थारु जनजाति बाहुल्य के डाक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम भचकाही में दो दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कबड्डी, वॉलीबॉल एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। खेलकूद प्रतियोगिता के पहले दिन बुधवार को प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियो ने शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जिसमे प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुति की। इसके साथ ही राजकीय हाईस्कूल भचकाही की बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस दौरान विभिन्न खेल मैराथन दौड़ ,कबड्डी वालीबाल एवं सामान्य ज्ञान तथा सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मैराथन दौड़ में हर्षित और रमेश एवं गौतम ने बाजी मारी। इसी तरह से बालिका वर्ग कबड्डी में भचकाही, रनियापुर की टीमें विजेता बनीं। जबकि बालक वर्ग कबड्डी में एटीएम,पूर्वी भचकाही, कटकुइयां, रवलपुर और जवाहर नवोदय स्कूल के छात्रों की टीम विजेता रही।

घर के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी

संवाददाता–श्रावस्ती। गिलौला थाने के कोट मुबारकपुर में मंगलवार रात चोर ने एक घर के दरवाजे पर लगा ताला तोड़ दिया। जिसके सहारे घर में घुसे चोर करीब दो लाख रुपये का माल पार कर ले गए। इसकी जानकारी पीड़िता को बुधवार सुबह हुई। ऐसे में पीड़िता ने गिलौला पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर चोरी का खुलासा करने की मांग किया है। गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम कोट मुबारकपुर निवासी सोनम के पति रमेश कुमार की दो माह पूर्व मौत हो गई थी। सोनम अपने चार पुत्रियों के साथ घर में रहती है। सोमवार रात घर में ताला लगाकर वह अपनी बहन के घर बसभरिया चली गई थी। मौका पाकर अज्ञात चोर ने मंगलवार रात दरवाजे पर लगा ताला तोड़ दिया। जिसके सहारे घर में घुसे चोर बक्से को तोड़कर उसमे रखा कंबल व अन्य सामान अन्य समान उठा ले गए। छोटे बक्से को चोर गांव के बहर पूर्व ब्लाक प्रमुख मिथिलेश सिंह के गन्ने के खेत में तोड़कर उसमें रखा सोने व चांदी के जेवरात तथा कपड़ा उठा ले गए। बुधवार सुबह पहुंची पीड़िता को इसकी जानकारी हुई। तलाश करने पर गन्ने के खेत में टूटा बक्सा मिला।

रुपईडीहा में नेपाली ग्राहकों ने खूब की खरीदारी

संवाददाता–बहराइच। सीमा से लगे रुपईडीहा कस्बे में भी धनतेरस पर खरीद को लेकर पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के ग्राहक पहुंचे। बर्तनों व कपड़ों की दुकानों पर दोपहर 12 बजे तक भारी भीड़ लगी रही। जिससे स्टेशन रोड व आजाद रोड पर घंटों जाम लगा रहा। आजाद रोड पर विशेषकर बर्तनों की ही दुकाने है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रुपईडीहा शाखा के महामंत्री योगेंद्र शर्मा ने बताया कि सभी दुकानदारों ने अच्छी बिक्री की है। बांके जिले ही नहीं बर्दिया, सुर्खेत, दांग, सल्यान, दैलेख आदि नेपाली जिलों के ग्राहकों के कारण भी बाजार को भारी भीड़ रही।

सीआरसी में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

संवाददाता–गोरखपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर सीआरसी में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सीआरसी के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर सीआरसी के प्रशिक्षु, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता तथा अखंडता को अक्षुण्ण रखने की शपथ ली। निदेशक जितेंद्र यादव ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समन्वय राजेश कुमार यादव ने किया।

जिला जज ने बाल सुधार गृह का किया निरीक्षण

संवाददाता–गोरखपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी द्वारा राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। यह जानकारी अपर सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास सिंह ने दी। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक द्वारा बताया गया कि संप्रेक्षण गृह में गोरखपुर जनपद के अतिरिक्त अन्य जनपदों के भी बाल अपचारी निरुद्ध है। जनपद न्यायाधीश द्वारा बाल अपचारियों से उनके स्वास्थ्य आदि के बारे में पूछा गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा संप्रेक्षण गृह किशोर के अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह संप्रेक्षण गृह की नियमित रूप से साफ सफाई करवाते रहे और यदि किसी बाल अपचारी को किसी प्रकार की विधिक सहायता या निःशुल्क पैरवी हेतु अधिवक्ता की आवश्यकता हो तो उनका प्रार्थना पत्र तैयार कराकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में उपलब्ध कराए। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश के साथ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,सिटी मजिस्ट्रेट,पुलिस अधीक्षक नगर उपस्थित रहे।

राप्तीनगर विस्तार में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। राप्तीनगर विस्तार आवासीय योजना संघर्ष समिति की आपातकालीन बैठक बुधवार को संगठन के अध्यक्ष मधुसूदन ओझा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राप्तीनगर विस्तार आवासीय योजना मानबेला में आए दिन चोरी की बढ़ती वारदातों पर चिंता व्यक्त की गई। मांग की गई कि सुरक्षा की दृष्टि से कॉलोनी में रात में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। बैठक में मुख्य रूप से संघर्ष समिति के संरक्षक रमेश चंद्र गुप्ता, महामंत्री अशोक अस्थाना, सुनील गुप्ता, राजेश तिवारी, विनोद भट्ट, विनय पांडेय, विकास चंद्र पटेल, सुनील कुमार राव, संदीप राय, बंका सिंह, चंद्रकला मौर्य, राजेंद्र कुशवाहा, राजेंद्र पाण्डेय ,डॉ आरके पाण्डेय और आरके शर्मा उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक विधि से करें खेती, फसल अवशेष न जलाएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद स्तरीय जैविक खेती, रबी उत्पादकता व फसल अवशेष प्रबंधन गोष्ठी में विधायक श्यामधनी राही ने किसानों से कहा कि सभी लोग वैज्ञानिक विधि से खेती करें और फसल अवशेष को न जलाएं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने को प्रधानमंत्री संकल्पित हैं। प्रधानमंत्री की ओर से किसानों को बेहतर तरीके से खेती करने के लिए किसान सम्मान निधि उपलब्ध कराई जा रही है। कृषि यंत्रों व बीजों पर अनुदान दिया जा रहा है। डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने अफसरों को निर्देशित किया कि किसानों के लिए जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं सभी का लाभ पात्र लाभार्थियों को सीधे पहुंचाया जाए। उन्होंने किसानों को उन्नतशील बीजों का प्रयोग कर वैज्ञानिक विधि से खेती करने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने किसानों से फसल अवशेष न जलाने व पराली को गोशाला में दान करने की अपील की है।

धनतेरस पर धनवर्षा, सवा सौ करोड़ का कारोबार

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनतेरस पर जिले भर में लोगों ने जमकर खरीदारी की। देर रात तक बाजारों में रौनक देखने को मिली। बर्तन, ज्वेलरी, बाइक, मोबाइल फोन, हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक की दुकानों पर लोग खरीदारी करते दिखे। चांदी के सिक्के की डिमांड ज्यादा रही। व्यापारियों की मानें तो सवा सौ करोड़ का कारोबार हुआ है।

शहर के गोला बाजार, मुखलिसपुर तिराहा, बैंक चौराहा आदि स्थानों पर बर्तन की दुकानों पर भीड़ रही। गोला बाजार स्थित आभूषणों की दुकानों पर सोने–चांदी के आभूषण और सिक्के की जमकर खरीदारी हुई।

इसके अलावा टीवी, मोबाइल, फ्रीज की दुकानों पर भी लोग खरीदारी करते दिखे। दोपहिया वाहनों की एजेंसियों पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी गई। लोगों ने अपनी पसंद की बाइक की खरीदारी की। बाइक एजेंसी के संचालक गगनदीप सिंह सैंकी ने बताया कि कुल 450 बाइक बिके हैं। कुछ लोगों ने दीपावली के लिए बुकिंग की है। एजेंसी संचालकों की मानें तो 40 करोड़ के वाहनों की बिक्री हुई है।वहीं स्वर्ण व्यवसायी राधेश्याम, दिलीप गुप्ता ने बताया कि ग्राहक सोने–चांदी के ब्रांडेड सिक्के अधिक पसंद कर रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के कारण आभूषणों में हल्के आइटम ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। अनुमान के मुताबिक 50 करोड़ के आभूषणों की बिक्री हुई है।

धनतेरस पर खूब चमका सराफा से लेकर वाहन बाजार

संवाददाता–अंबेडकरनगर। धनतेरस पर्व पर मंगलवार को बाजारों में जमकर धन वर्षा हुई। सराफा बाजार जहां सोने व चांदी की चमक से रोशन हो उठे तो वहीं बर्तन के अलावा बाइक व कार के शोरूम पर पूरे दिन भीड़ जमा रही। कपड़ा, लाई चना, मिठाई व चीनी के खिलौने वाली मिठाई की भी लोगों ने खूब खरीदारी की। इससे सभी बाजारों में देर शाम तक रौनक बनी रही।

धनतेरस पर मंगलवार सुबह से ही अलग–अलग किस्म की दुकानों पर उत्साह का माहौल था। ऐसा इसलिए क्योंकि सामान्य दिनों की अपेक्षा सामानों की खरीदारी के लिए लोगों का बाजारों में पहुंचने का सिलसिला काफी पहले ही शुरू हो गया। जैसे–जैसे समय बीतता गया बाजारों में भीड़ बढ़ने लगी। अकबरपुर नगर के शहजादपुर बाजार में स्थानीय ग्राहकों के अलावा आसपास के क्षेत्र से भी खरीदारी के लिए लोग पहुंचे। इसमें महिलाओं की संख्या काफी अधिक रही। कपड़ा हो या बर्तन, सराफा हो या इलेक्ट्रॉनिक ऐसी सभी दुकानों पर खरीदारों के पहुंचने का सिलसिला देर शाम तक दिखा।

सोने चांदी के दाम आसमान छूने के बाद भी ग्राहकों के उत्साह में ज्यादा असर नहीं दिखा। अकबरपुर नगर के शहजादपुर स्थित अमरदीप आभूषण केंद्र के विकास सेठ ने बताया कि नई डिजाइन वाले सोने के आभूषण की मांग अधिक रही। सराफा व्यावसाई भूपेंद्र सेठ ने बताया कि दाम में उछाल के चलते हल्के आभूषण महिलाओं की पहली पसंद रही। वरिष्ठ सराफा व्यावसाई सुरेश सेठ ने बताया कि चांदी के सिक्के की जहां लोगों ने खरीदारी पर जोर दिया तो वहीं भारी जेवरात की ज्यादा बिक्री नहीं हुई। हालांकि दाम बढ़ने का ज्यादा असर दिखाई नहीं पड़ा।

अकबरपुर नगर के शहजादपुर स्थित बर्तन के दुकानदार सुरेश गुप्ता ने कहा कि एल्युमीनियम के बर्तन की मांग अधिक रही। डिनर सेट व भगोने का सेट जहां लोगों ने खूब खरीदा तो वहीं बाल्टी की भी खरीदारी हुई। बर्तन कारोबारी फूलचंद्र अग्रहरि ने बताया कि विगत वर्ष की तुलना में एल्युमीनियम के बर्तन की अधिक बिक्री हुई है, जबकि तांबे की बिक्री में कुछ कमी आई है। शहजादपुर के अशोक कसौंधन ने बताया कि इस बार छोटे बर्तन की बिक्री का चलन अधिक रहा। बड़े बर्तन की मांग विगत वर्ष की तुलना में कुछ कम रही।

अकबरपुर नगर के पहितीपुर रोड स्थित जावा मयूर मोटर्स के मालिक जयराम संगवानी ने बताया कि 17 बाइक की बिक्री मंगलवार को हुई। ग्राहकों को अलग–अलग बाइक पर 30 हजार रुपये तक का डिस्काउंट कैश लेने पर दिया गया। वैसे कुल 25 बाइक की बुकिंग हुई है। टांडा रोड स्थित केएस ऑटो सेल्स के सेल्समैन अरविंद यादव ने बताया कि 173 बाइक की बिक्री मंगलवार को हुई। लगभग दो सौ बाइक की बुकिंग है। बुधवार को भी बाइक की बिक्री होगी। अयोध्या मार्ग स्थित होंडा एजेंसी के मालिक प्रदीप पांडेय ने बताया कि लगभग दो सौ बाइक की बिक्री हुई है। लगभग साढ़े तीन सौ बाइक की बुकिंग है। अयोध्या मार्ग स्थित गीता हुंडई एजेंसी के सेल्समैन किशन विश्वकर्मा ने बताया कि 26 कार की बुकिंग थी। 18 कार की बिक्री मंगलवार को हुई। बुधवार को भी बिक्री होने की उम्मीद है।

अकबरपुर नगर से लेकर जिले के अलग अलग क्षेत्रों में स्थित लक्ष्मी गणेश की मूर्तियों की भी लोगों ने बढ़ चढ़कर खरीदारी की। अयोध्या मार्ग पर मूर्ति की दुकान करने वाले झुग्गीलाल ने बताया कि लक्ष्मी गणेश की एकसाथ वाली मूर्ति की मांग अधिक रही। सौ रुपये से 1500 रुपये तक की मूर्ति की बिक्री की गई। शहजादपुर के दुकानदार अरविंद कुमार ने बताया कि विगत वर्ष की तुलना में इस बार मूर्तियों की अधिक बिक्री हुई है। बुधवार को भी बिक्री में और तेज होने की उम्मीद है। जलालपुर नगर में मूर्ति की दुकान करने वाले संदीप कुमार ने कहा कि लक्ष्मी व गणेश की एकसाथ व अलग–अलग मूर्तियों की भी खूब बिक्री हुई।

लाई, चना व चूरा का बाजार भी खरीदारों से गुलजार रहा। अकबरपुर नगर के मीरानपुर में दुकान करने वाले रामजी ने बताया कि धनतेरस पर्व के मौके पर बिक्री तो हुई ही है, लेकिन दीपावली के दिन इसमें और भी वृद्धि होगी। शहजादपुर चौक स्थित दुकानदार अच्छेलाल ने कहा कि लाई चना व चूरा के साथ–साथ चीनी से बनी मिठाई व खिलौनों की भी धूम रही। डेढ़ सौ रुपये प्रति किग्रा की दर से बिक रहे मिठाई व खिलौने की लोगों ने बढ़–चढ़कर खरीदारी की।

इलेक्ट्रॉनिक बाजार भी खरीदारों से गुलजार रहे। एलईडी, फ्रिज, वाशिंग मशीन के अलावा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बढ़ चढ़कर खरीदारी हुई। शहजादपुर नई सड़क स्थित सागर इलेक्ट्रॉनिक के मालिक शफीक अहमद ने बताया कि विगत वर्ष की तुलना में इस बार इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बिक्री अधिक हुई है। छह फ्रिज, पांच वॉशिंग मशीन, के अलावा अन्य सामान भी बिके। पीयूष बंका ने बताया कि फ्रिज, वॉशिंग मशीन, ओवन, प्रेस, घर घर घंटी की बिक्री अधिक हुई। इस बार बेहतर बिक्री हुई है।

अयोध्या मार्ग स्थित जायसवाल मिष्ठान के बलवीर जायसवाल ने बताया कि जिस प्रकार से मिठाई की बिक्री मंगलवार को हुई है, उसे देखते हुए पूरी उम्मीद है कि दीपावली के दिन काफी अधिक बिक्री होगी। बताया कि मिठाई पांच सौ रुपये प्रति किग्रा से ढाई हजार रुपये प्रति किग्रा बिक रही है। जलालपुर के रामजीत साहू ने बताया कि विगत वर्ष की तुलना में इस बार मिठाई की बिक्री में वृद्धि हुई है।

मातृ मृत्यु मामले में उस्का बाजार-डुमरियागंज अधीक्षक को प्रतिकूल प्रविष्टि

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी पीएचसी पर 19 अक्टूबर की रात इलाज न मिलने से गर्भवती की मौत के बाद डीएम ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जनपद भर के सभी स्वास्थ्य केंद्रों की मातृ मृत्यु की ऑडिट रिपोर्ट तलब किया था। मातृ मृत्यु के मामले में ब्लॉक क्षेत्र की स्थिति स्पष्ट न करने पर डीएम ने उस्का बाजार अधीक्षक डॉ. शिवेष्ट पटेल व डुमरियागंज अधीक्षक डॉ. विकास चौधरी को नोटिस थमाते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि दिया है। रिपोर्ट प्रस्तुत करने के डर से बसंतपुर अधीक्षक डॉ. धर्मेंद्र चौधरी बैठक से नदारद रहे। बांसी पीएचसी के प्रभारी डॉ. रविकांत सिंह ने बताया कि मृतका से जुड़ी फाइल अधीक्षक अपने पास रखे हैं, इससे वह पत्रावली नहीं ला सके हैं। कलक्ट्रेट परिसर में हुई बैठक में डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने मातृ मृत्यु की समीक्षा करते हुए उस्का बाजार सीएचसी अधीक्षक डॉ. शिवेष्ट पटेल से ब्लॉक क्षेत्र के मातृ मृत्यु के बारे में जानकारी मांगी, लेकिन वह जानकारी नहीं दे सके। अधीक्षक की ओर से दी गई जानकारी में उनके पास ब्लॉक क्षेत्र के केस की डिटेल ही मौजूद नहीं थी। पत्रावली में सारे दस्तावेज नहीं थे। बेड हेड टिकट (बीएसटी) नहीं था। आधी–अधूरी जानकारी लेकर बैठक में पहुंचने पर डीएम बिफर पड़े। अधीक्षक डीएम के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे थे। इस पर उन्होंने तत्काल नोटिस थमाते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि थमा दिया। इस दौरान डीएम ने अधीक्षक से कहा कि प्राइवेट प्रैक्टिस करने की लगातार जानकारी मिल रही है। चेतावनी देकर छोड़ रहा है। इसमें तत्काल सुधार कर लें। मातृ मृत्यु को लेकर डुमरियागंज अधीक्षक डॉ. विकास चौधरी भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे पा रहे थे। इस पर इन्हें भी तत्काल नोटिस थमाते हुए डीएम ने प्रतिकूल प्रविष्टि दे दिया। डीएम ने बांसी पीएचसी पर गर्भवती की इलाज के अभाव में हुई मौत के बाद ही डीएचएस में मातृ मृत्यु की समीक्षा हेतु ऑडिट रिपोर्ट तलब किया था। इसे लेकर डीएम सख्त भी थे, बावजूद बसतंपुर (बांसी) अधीक्षक बैठक से नदारद रहे। बैठक में मौजूद बांसी पीएचसी प्रभारी डॉ. रविकांत सिंह से डीएम ने ऑडिट फाइल तलब किया तो उन्होंने बताया मौत की फाइल उनके पास नहीं है। फाइल अधीक्षक के पास है। बीपीएमयू टीम ने डीएम को बताया कि 19 अक्टूबर को हुई मौत की अभी तक ऑडिट नहीं हो सकी है और न ही रिपोर्ट पोर्टल पर दर्ज है। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही से कार्य नहीं चलेगा। जोगिया ब्लॉक क्षेत्र की एक गर्भवती का रेफर करने के बाद जनपद मुख्यालय व बाद में बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में देहांत हो गया है। यह मामला लगभग दो माह पुराना है। मौत का कारण जानने के लिए डीएम ने जोगिया सीएचसी से स्पष्टीकरण तलब किया है।

लखनऊ इलाज कराने गई थी, चोरों ने घर का ताला तोड़ की लाखों की चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। शिवपुर शहबाजगंज में रविवार की रात अज्ञात चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर आलमारी के लॉकर में रखे गहने व दो लाख नगदी चोरी कर लिया। पड़ोसी ने मकान का दरवाजा खुला देख घरवालों को सूचना दी। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के शिवपुर शहबाजगंज की रहने वाली नीता देवी सितंबर में पति हरिद्वार का इलाज कराने लखनऊ गई थी। अपने मकान में ताला बंद कर चाभी पड़ोसी अनिल को दे दी थी। सोमवार को अनिल ने फोन कर सूचना दिया कि आपके मकान का ताला टूटा हुआ है। लखनऊ से लौटकर देखा तो आलमारी तोड़कर गहने सहित लॉकर में रखा दो लाख नगदी चोरी हो गई है। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस बुधवार को केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

दिवाली पर बिजली निगम की तैयारी, कंट्रोल रूम सक्रिय

संवाददाता–गोरखपुर। दिवाली को लेकर उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना न करना पड़े व सरकार के निर्देशों के अनुसार उपभोक्ताओं को चौबीस घंटे बिजली सप्लाई देने के लिए बिजली निगम ने तैयारी कर ली है। इसको लेकर बिजली निगम का कंट्रोल रूम सक्रिय हो गया है। कंट्रोल रूम मुख्य अभियंता कार्यालय में बना है। किसी भी समस्या को लेकर उपभोक्ता कंट्रोल रूम के नंबर 6392669034 पर सूचना दे सकते हैं। जिस पर ड्यूटी पर लगे अधिकारी व कर्मचारी तत्काल समस्या का समाधान करवाएंगे। कंट्रोल रूम में 24 घंटे शिफ्ट वाइज ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही निर्देश दिया गया है कि सभी अभियंता व अधिशासी अभियंता अपने–अपने क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे ताकी किसी प्रकार की घटना न घटने पाए। अधीक्षण अभियंता शहरी लोकेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि लोगों को 24 घंटे बिजली सप्लाई दी जा रही है। दिवाली के दिन खास तौर पर कंट्रोल रूम को सक्रिय किया गया है। किसी भी घटना या फॉल्ट की जानकारी इस पर दी जा सकती है। तत्काल समस्या का समाधान किया जाएगा।

लिंग आधारित स्वास्थ्य देखभाल पर भी विचार करता है आयुर्वेद –डॉ. भारती

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयुर्वेद से परिभाषित जीवन शैली पर केंद्रित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हितायु–2024 का समापन मंगलवार को हुआ। समापन समारोह में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जयपुर की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की प्रो. डॉ. भारती कुमार मंगलम ने स्त्री स्वास्थ्य प्रबंधन में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. भारती ने कहा कि आयुर्वेद लिंग आधारित स्वास्थ्य देखभाल पर भी विचार करता है। अष्टांग आयुर्वेद की कौमारभृत्य शाखा में इसका स्पष्ट उल्लेख मिलता है। आयुर्वेद और महिला स्वास्थ्य के बारे में कहा की महिलाओं में रजस्राव एक शोधन (प्राकृतिक रक्तमोक्षण) की तरह है। यह एंडोमेट्रियम स्तर पर अग्नि को पुनर्स्थापित करता है। कहा कि स्त्री स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद में वर्णित रजस्वलाचर्या के नियमों का पालन जरुरी है। इससे कार्यक्षमता पुनर्संगठित होती है। उन्होंने संतानोत्पत्ति से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की और अध्ययन निष्कर्षों के आधार पर बताया कि स्त्री वंध्याता में सुकुमार रसायण की काफी प्रभावकारिता है। यह एक मिश्रित औषधि है जिसे अष्टांगहृदय में वर्णित लेह रूप में तैयार किया गया था। समापन समारोह में मुख्य वक्ता को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आभार ज्ञापन डॉ. मिनी केवी ने किया। 'हितायु–2024 के समापन समारोह के साथ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में विश्व आयुर्वेद दिवस भी मनाया गया। इस मौके पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य प्रो. गिरिधर वेदांतम ने आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉ. अरविंद कुशवाहा, डॉ. राजेश बघेल, डॉ. रश्मि पुष्पन, डॉ. नवीन कोडलेडी आदि मौजूद रहीं।

एम्स में नौकरी के नाम पर जालसाजी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर एम्स में संविदा पर नौकरी दिलाने के नाम पर पिपराइच निवासी कुंदन के साथ जालसाजों ने 1.45 लाख रुपये की जालसाजी कर दी। जंगल क्षत्रधारी लालगंज निवासी पीड़ित कुंदन की मां रंभा ने पिपराइच थाने में तहरीर दी। जिसके आधार पर शाहपुर थाना क्षेत्र के गीता वाटिका निवासी धर्मेन्द्र गौतम, रविचंद्र, महेंद्र चौहान तथा चौरी चौरा हरैया निवासी कोमल शर्मा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। रंभा देवी ने पिपराइच पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि धर्मेन्द्र गौतम, रविचंद्र, महेंद्र चौहान और कोमल शर्मा मिलकर जालससाजी करते हैं। लोगों को अपने जाल में फंसाकर जालसाजी का धंधा करते हैं। एम्स में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 1.45 लाख रुपये हड़प लिए। इसके बदले फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया। एम्स के जिम्मेदार लोगों ने नियुक्ति पत्र को फर्जी बताया। कहा कि ऐसी कोई नियुक्ति नहीं की जा रही है। तब जालसाजी का पर्दाफाश हुआ। भाग दौड़ के बीच पता चला कि यह गिरोह 10 से भी अधिक लोगों को अपना शिकार बना चुका है। झंगहा थाने में भी इनके खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज है।

घर में चल रहा था अवैध बूचड़खाना, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ इलाके के जाहिदाबाद अंसार मस्जिद के पास एक घर में अवैध रूप से चल रहे बूचड़खाना का पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से पुलिस ने 15 पशु और उसे काटने में इस्तेमाल होने वाले औजार और कटे मांस को बरामद किया। आरोपी फरहान, मोहम्मद अमन और महमूद आलम पर केस दर्ज कर पुलिस ने जेल भेज दिया। गोरखनाथ थाने में उप निरीक्षक दुर्गेश सिंह ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने तहरीर में लिखा है कि त्योहार को देखते हुए वह क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। रामनगर चौराहे पर मौजूद थे, तभी मुखबिर खास से सूचना मिली कि जाहिदाबाद मोहल्ले में अवैध रूप से बूचड़खाना चलाया जा रहा है। सूचना पर हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गए। एक घर में घुसते ही कटे हुए कुछ मीट और फरहान मिला। अंदर कमरे में दो अन्य आरोपी छिपे थे। मौके से ही पशु बरामद किए गए, जिन्हें काटने के लिए रखा गया था। जांच के दौरान काटने वाले औजार भी मिल गए। आरोपियों ने बताया कि वह मांस काटकर बेचने का काम करते हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com